Theme: Leadership for Skills-based and Vocational Education

Jagjeet Azad

Principal

Government Senior Secondary School Balera, Chamba, Himachal Pradesh

Email id: gsssbalera@rediffmail.com

Mobile no.: 9418007729

जगजीत सिंह

प्रधानाचार्य

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बलेरा जिला चंबा हिमाचल प्रदेश

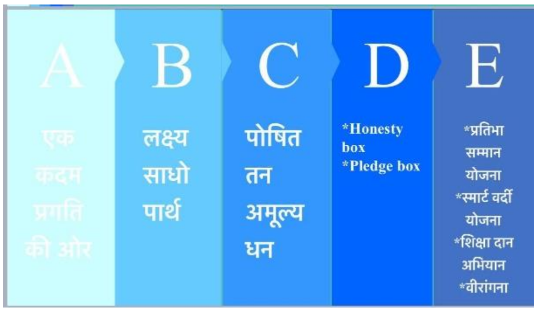

1. एक कदम प्रगति की और

इस नवाचार का उद्देश्य बच्चों के अंदर मंच पर आने के भय को दूर करना है ।यह पाया गया कि मंच पर होने वाली सभी गतिविधियों में कुछ गिने चुने छात्र ही भाग लेते हैं और अधिकतर बच्चे मंच पर नहीं आते ।जब इस पर मंथन किया गया तो इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि अधिकतर बच्चे मंच पर कभी आये ही नहीं या एक आध बार आये हैं जिससे उनके भीतर मंच पर आने का बहुत भय है ।

तत्पश्चात प्रार्थना सभा से लेकर विभिन्न गतिविधियों में उन वंचित बच्चों को आगे लाने का प्रयास किया गया और इसके सार्थक परिणाम रहे ।आज विद्यालय के लगभग नब्बे प्रतिशत बच्चे मंच पर बिना भय के बोल लेते हैं ।

2. पोषित तन अमूल्य धन

प्रार्थना सभा में बच्चों को विशेषकर लड़कियों को चक्कर आते थे ।पच्चीस मिनट की प्रार्थना सभा में कई बार दस दस बच्चे चक्कर के कारण गिर जाते थे या नीचे बैठ जाते थे ।यह एक चिंता का विषय था ।यह निष्कर्ष निकाला गया कि बच्चे बहुत दूर दूर से पैदल आते हैं और अधिकतर बच्चे खाली पेट आते थे और दोपहर का भोजन भी नहीं लाते थे ।शाम तक कई बार भूखे रहते थे या शाम को जंक फ़ूड खाते थे ।नवमी से बारहवीं के बच्चों के लिए भोजन की कोई सरकारी योजना नहीं है ।अभिभावकों भोजन की कोई सरकारी योजना नहीं है ।अभिभावकों और बच्चों को अभिप्रेरित करके सभी बच्चों के लिए दोपहर का भोजन घर से तैयार करके मंगवाया जाता है और सभी बच्चे भोजन करते हैं ।इससे बच्चों के चक्कर आने की भी समस्या दूर हुई और स्वास्थ्य भी अच्छा हुआ ।

3. मंच नामकरण

जब मैंने स्कूल में जॉइन किया तब स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों विशेषकर पंचायत के उप प्रधान मनजीत से मंच के बारे में चर्चा की । पंचायत के माध्यम से बजट का प्रावधान हुआ एवं नए मंच का उद्घाटन भी जुलाई 2024 में हो गया । इसके नामकरण का उद्देश्य भी यही था कि कदम कदम प्रगति की और बढ़ें । इस मंच पर विभिन्न गतिविधियां लगातार आयोजित होती हैं और सभी बच्चे इसमें भाग लेते हैं ।

4. **प्रतिभा सम्मान योजना**

इस नवाचार के माध्यम से सभी बच्चों और अध्यापकों को सम्मान देकर प्रोत्साहित किया जाता है । जब भी बच्चे विद्यालय के बाहर किसी भी तरह की प्रतियोगिता में हिस्सा लेने जाते हैं और जीत कर आते हैं या अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो विद्यालय में वापसी पर उनका हार पहनाकर स्वागत किया जाता है । क्योंकि हर इन्सान प्रोत्साहन और शाबाशी चाहता है । इसी के अनुरूप यह कार्यक्रम इस साल अगस्त से शुरू किया गया । इसका परिणाम यह रहा कि न केवल बच्चों बल्कि अध्यापकों ने भी पहले से अधिक प्रेरित होकर मेहनत की एवं बीते पाँच महीनों में विभिन्न प्रतियोगिताएँ जो विद्यालय के बाहर हुई उनमें चार ट्रॉफ़ियाँ और पाँच मेडल सहित दस पुरस्कार जीते । एक कदम प्रगति की और बच्चों के सर्वांगीण विकास की तरफ एक कदम है ।विशेषकर उन बच्चों के लिए जो शैक्षणिक एवं अन्य गतिविधियों में पिछड़ गए हैं ल

5. **लक्ष्य साधो पार्थ**

यह एक ऐसा कार्यक्रम है जिसमें कुछ बच्चों को रोज एक छोटा छोटा लक्ष्य दिया जाता है और शाम तक स्कूल छोड़ने से पहले उसको पूरा करना होता है ।बच्चे इसमें बहुत ऊर्जा के साथ भाग लेते हैं और छोटे छोटे लक्ष्यों को रोज साधते हैं ।

6. **पोषित तन अमूल्य धन**

इसके माध्यम से नवमी से लेकर बारहवीं तक के बच्चों को रोज दोपहर का भोजन करने की आदत विकसित की गई ।क्योंकि पूरा दिन खाली पेट रहने से जहाँ स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ते हैं वहीं पढ़ाई में भी बच्चे पिछड़ जाते हैं ।आज हर बच्चा घर से दोपहर का भोजन लाकर स्कूल में एक जगह बैठकर खाना खाता है ।

7. **honesty box**

इसका उद्देश्य बच्चों के अंदर ईमानदारी जैसे नैतिक मूल्यों को विकसित करना है ।किसी भी बच्चे को अगर स्कूल में कोई चीज या पैसे कहीं गिरे हुए मिलते हैं तो वो उसे honesty box में डाल देते हैं ।दूसरे दिन प्रार्थना सभा में उस बच्चे के लिए प्रोत्साहन स्वरूप शब्द व्यक्त किए जाते हैं ।

8. **Pledge Box**

इसका उद्देश्य यह है कि अगर कोई बच्चा किसी बुरी आदत को छोड़ना चाहता है तो वो बिना अपना नाम लिखे उस शपथ को लिखकर इस बॉक्स में डालता है और जब वो उस आदत को छोड़ देता है तो दोबारा लिख कर डालता है कि मैं सफल रहा ।

9. **स्मार्ट वर्दी योजना**

क्योंकि परिधान से आदमी के अंदर बहुत आत्मविश्वास आता है इसके लिए अभिभावकों के आर्थिक सहयोग से लगभग एक लाख की स्मार्ट वर्दी लागू की गई जिससे बच्चे अपने आपको किसी निजी नामी स्कूल से कम न समझें ।

10. **वीरांगना दल**

इसका उद्देश्य यह है कि लड़कियों के साथ होने वाले शोषण को रोका जा सके ।इसमें लड़कियों का एक दल बनाया गया है जिसे वीरांगना दल का नाम दिया गया ।समय

समय पर महिला अध्यापकों के माध्यम से उनकी कॉउसलिंग करके उनको अपने अधिकारों से अवगत करवाया जाता है.

निष्कर्ष

स्कूल में विभिन्न गतिविधियों से इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि हर बच्चे के अंदर विभिन्न योग्यताओं और गुणों का समावेश रहता है।सिर्फ़ वो योग्यताएँ या गुण दब जाते हैं जब उन बच्चों को सही मंच या माध्यम नहीं मिलता।अगर समय रहते ऐसे बच्चों की पहचान कर ली जाए और एक विशेष योजना के तहत काम किया जाए तो हर बच्चा बेहतर कर सकता है। साथ ही आपको अध्यापकों और समाज को साथ लेकर एक बेहतरीन टीम का निर्माण करना है तभी बच्चे सही दिशा में जा सकेंगे और सफ़लता प्राप्त कर सकते हैं।अपने करियर के 27 सालों में मैंने यह देखा है कि बच्चों के लिए धरातल पर और उनकी क्षमताओं को समझ कर काम करेंगे तो अच्छे परिणाम निसंदेह आते हैं।